जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 237 प्रभात चूरू, बुधवार 24 दिसम्बर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

पूरे पुराने बंगाल प्रांत में हिंसा का इतना भयानक दौर पहले नहीं आया

और विवाद का विषय यह है कि, दुर्भाग्यवश इस हिंसा का लक्ष्य है आम हिन्दू

- **पश्चिम बंगाल में, सैक्युलरिज़्म के नारे की आड़ में ममता बनर्जी बड़ा नर्मी वाला रुख रख रही हैं, मुस्लिम हिंसा व अपराध के प्रति।**
- **पर फिर, इस बार ममता बनर्जी की मुस्लिम मतदाता पर पकड़ ढीली होती दिख रही है, क्योंकि, उनके पुराने वफादार हुमायूं कबीर ने, ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अपनी पार्टी खड़ी कर दी है, और अगले चुनाव में अपने उम्मीदवार खड़ा करेंगे, और मुस्लिम वोटों पर काबिज होने की प्रतिस्पर्धा में, खुली छूट मिल रही है हिन्दुओं के प्रति आक्रामकता को। वामपंथी दल भी "सैक्युलरिज़्म" के नाम पर, इस मसले पर ममता बनर्जी को समर्थन दे रहे हैं।**

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। बंगाल इस समय एक ऐसे बड़े संकट से गुजर रहा है, जो आख़िरी नवाब सिराजुद्दौला के कुशासन के दिनों के बाद कभी नहीं देखा गया। पूरे बंगाल, पूर्व और पश्चिम, में मुस्लिम हिंसा बढ़ती जा रही है और हमले हिंदुओं को निशाना बनाकर किए जा रहे हैं।

सबसे गंभीर बात यह है कि पश्चिम बंगाल, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है, वहां भी हिंदुओं को लगातार धमकियों और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। यह सब ममता बनर्जी के शासन में तथाकथित धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हो रहा है, जहां वह सत्ता में बने रहने के लिए खुले तौर पर मुस्लिम वोटों का तुष्टीकरण कर रही हैं।

सबसे घटिया भूमिका कम्युनिस्टों की दिखाई दे रही है, जो धर्मनिरपेक्षता के नाम पर नकली समर्थन दिखाते हुए चुपचाप ममता बनर्जी की मदद कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में मुस्लिमों द्वारा दिखाई जा रही सांप्रदायिक असहिष्णुता को लेकर गुस्सा उबल रहा है। इसका एक उदाहरण कोलकाता के पास हुआ। एक स्कूल में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम के दौरान, बेहद लोकप्रिय बंगाली गायिका लग्नजिता चक्रवर्ती के साथ दर्शकों में बैठे एक मुस्लिम व्यक्ति ने छेड़छाड़ की। वह मंच पर चढ़ गया और जिस भक्ति गीत को लग्नजिता गा रही थीं, उसी को लेकर उन पर हमला कर दिया।

उस व्यक्ति ने मांग की कि वह कुछ "धर्मनिरपेक्ष" गाने गाएं और उन पर झपट पड़ा। इस व्यवहार से आहत और गुस्से में आकर लग्नजिता स्थानीय थाने गईं और शिकायत दर्ज करानी चाही, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। इसके बाद वह एसपी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के पास गईं।

उनके हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और बाद में आरोपी को गिरफ्तार किया, लेकिन तब तक यह मामला एक बड़े विवाद का रूप ले चुका था। यह कोई अकेली घटना नहीं है। राज्य में मुस्लिमों और भीड़ द्वारा हिंसक हमले बढ़ते जा रहे हैं, क्योंकि ममता बनर्जी वोट पाने के लिए मुस्लिमों के प्रति लगातार नरम और तुष्टिकरण वाला रुख अपना रही हैं।

इसी साल की शुरुआत में मुर्शिदाबाद जिले में एक आदमी और उसके बेटे को हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें बनाने के "अपराध" में उनके घर से घसीटकर बाहर निकाला गया, पिता और बेटे को दिनदहाड़े पीट-पीटकर मार डाला गया और अब तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुष्कर्म मामले में आईपीएल क्रिकेटर को अग्रिम जमानत नहीं मिली

जयपुर, 23 दिसंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर प्रथम ने नाबालिग से दुष्कर्म करने से जुड़े मामले में आईपीएल क्रिकेटर यश दयाल की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी अलका बंसल ने कहा कि आरोपी पर नाबालिग से दुष्कर्म का गंभीर आरोप है। ऐसे में उसे अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

अग्रिम जमानत अर्जी में कहा गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ एक गैंग काम कर रही है। उसके खिलाफ पहले गाजियाबाद में मामला दर्ज कराया गया, लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उस पर

- **पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने क्रिकेटर की जमानत अर्जी खारिज कर दी।**

कार्रवाई करने पर रोक लगा दी। इसके सात दिन बाद ही सांगानेर सदर थाने में उसके खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया और इसे गंभीर रूप देने के लिए लड़की ने घटना दो साल पहले की बताई जब वह नाबालिग थी। अग्रिम जमानत अर्जी में कहा गया कि यश दयाल पेशेवर क्रिकेटर है और समाज में उसकी प्रतिष्ठा है। इसके अलावा वह प्रकरण की जांच में सहयोग करने को तैयार है। ऐसे में उसे अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश भर में फैल रहा है अरावली आंदोलन

सचिन पायलट ने राजस्थान के 19 जिलों में अरावली बचाओ आंदोलन की घोषणा की

- **देश भर के पर्यावरणविद्, एक्टिविस्ट व वकील अरावली को बचाने के लिए सड़कों पर उतरे।**
- **शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में अरावली का पर्यावरण के लिए महत्व बताया और एनडीए सरकार पर प्राकृतिक संपदाएं नष्ट करने का आरोप लगाया।**
- **हालांकि, केन्द्रीय वन एव पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने मामला शांत करने की कोशिश की और कहा कि अरावली के कुल 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर का 0.19 प्रतिशत हिस्सा ही खनन के लिए लीज़ पर दिया जाएगा। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर अरावली में अवैध खनन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।**
- **विवाद की शुरुआत सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली पर सरकार की नई परिभाषा को स्वीकार करने से हुई, जिसके तहत जमीन से 100 मीटर ऊंची पहाड़ी को ही अरावली माना जाएगा। विपक्ष और विशेषज्ञों का आरोप है कि अरावली पर्वत श्रृंखला में 12,000 पहाड़ियां हैं और इनमें से मात्र 8 प्रतिशत ही 100 मीटर से ऊंची हैं।**

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। अरावली के मसले पर विरोध प्रदर्शन तीव्र होता जा रहा है और राजनीतिक दल भी इस मुद्दे में कूद पड़े हैं, और पर्यावरणविद् और पर्यावरण से जुड़े एक्टिविस्ट भी राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में सड़कों पर उतर आए हैं।

राजस्थान में कांग्रेस ने 19 जिलों में "अरावली बचाओ आंदोलन" का ऐलान किया है, और वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की आलोचना करते हुए चेतावनी दी कि खनन गतिविधियों में वृद्धि से न केवल राजस्थान और हरियाणा, बल्कि दिल्ली एनसीआर में भी इकोलॉजिकल संकट उत्पन्न हो सकता है।

शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने भी सोशल मीडिया पर कई पोस्ट करते हुए एनडीए सरकार की "प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करने की आदत" की कड़ी आलोचना की है, और अरावली पर्वतों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ये पर्वत देश की जलवायु और पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश से हुई है, जिसमें सरकार द्वारा प्रस्तावित अरावली की नई परिभाषा को स्वीकार किया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, केवल वे पहाड़ियां जो स्थानीय भू-भाग से 100 मीटर ऊंची होंगी, उन्हें ही अरावली पहाड़ियां माना जाएगा। ऐसी दो या दो से अधिक पहाड़ियां जो 500 मीटर के भीतर स्थित होंगी, उन्हें बीच की भूमि सहित अरावली रेंज में माना जाएगा।

एक्टिविस्ट, वकीलों और विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंकिता भंडारी मर्डर, एक वायरल वीडियो ने मचाई सनसनी

सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो ने उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता मर्डर केस में आरोप -प्रत्यारोप का नया दौर शुरु कर दिया है

- **उक्त वीडियो में हरिद्वार के पूर्व विधायक अपनी पत्नी, (पूर्व अभिनेत्री) उर्मिला सनावर के साथ तीखी बहस में यह कहते दिख रहे हैं कि ऋषिकेश के एक रिसॉर्ट में हुई 19 साल की अंकिता भंडारी की हत्या में उत्तराखंड के भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम मुख्य आरोपी हैं, उन्होंने अंकिता से दुष्कर्म करने का प्रयास किया था।**
- **उर्मिला सनावर ने भी सार्वजनिक रुप से दावा किया कि उसके पास इन आरोपों की पुष्टि के लिए सबूत भी हैं।**
- **कांग्रेस ने मांग की है कि इस मामले में कोर्ट की निगरानी में नए सिरे से सीबीआई जांच करवाई जाए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अपराधियों को बचाने के लिए राज्य सरकार ने सीबीआई जांच नहीं करवाई।**

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्या के मामले ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है, और सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व को नए सिरे से जांच के घेरे में ला खड़ा किया है। इस वीडियो ने ताजा आरोपों और सीबीआई जांच की मांगों को जन्म दिया है, जिसमें एक कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की मांग की जा रही है।

यह वीडियो, जो पिछले कुछ दिनों से व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है, में कथित रूप से हरिद्वार के पूर्व भाजपा विधायक सुरेश चौहान अपनी पत्नी उर्मिलाना सनावर के साथ तीखी बहस करते दिख रहे हैं, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि उत्तराखंड के लिए भाजपा के जनरल सेक्रेटरी और वरिष्ठ नेता दुष्यंत गौतम अंकिता भंडारी की हत्या के पीछे प्रमुख आरोपी थे।

चौहान यह आरोप लगाते हुए सुने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति ने 24 वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार दिये

नयी दिल्ली, 24 दिसम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में 24 प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार- 2025 प्रदान किए।

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार के दूसरे संस्करण में उल्लेखनीय कार्यों के लिए

- **प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरान्त विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।**

वैज्ञानिकों को विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा और विज्ञान टीम पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। खगोल भौतिकी विशेषज्ञ, दिवंगत प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरांत विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कृषि वैज्ञानिक डा. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह और सात अन्य को विज्ञान श्री पुरस्कार प्रदान किया गया।

बांग्लादेश उच्चायोग पर भारतीयों का गुस्सा फूटा

प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़े और बैरिकेड्स फांदकर अंदर घुसे, यूनुस के पुतले भी जलाए

- **प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में गत दिनों एक हिंदू, दीपूचन्द्र दास की नृशंस हत्या पर नारज़गी जताई और कहा कि हिंदुओं की हत्या के लिए बांग्लादेश सरकार ही जिम्मेवार है। यह प्रदर्शन विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने आहूत किया था।**
- **बांग्लादेश सरकार ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त के समक्ष विरोध प्रदर्शन की इस घटना पर नाराज़गी जताई और आरोप लगाया कि नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा कम की गई है। भारत ने इस आरोप से साफ इनकार किया।**

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। पिछले हफ्ते बांग्लादेश के मेमनसिंह में इस्लामी भीड़ द्वारा एक हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की बेरहमी से हत्या के बाद, नई दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ है। यह प्रदर्शन विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित अत्याचारों और उनके धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ के खिलाफ नारे लगाए गए।

प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई और उन्होंने बांग्लादेशी अधिकारियों से जवाबदेही की मांग करते हुए बैरिकेड तोड़ दिए। कुछ प्रदर्शनकारी न्याय और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग कर रहे थे। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

तनाव तब बढ़ गया जब बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बैरिकेड को धक्का देना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी "भारत माता की जय", "यूनुस सरकार होश में आओ" और "हिंदू हत्या बंद करो" के नारे लगा रहे थे। रिपोर्टों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने कम से कम दो स्तर के बैरिकेड तोड़ दिए।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा, अगर आज हमने आवाज नहीं उठाई, तो मैं भी दीपू बनूंगा और आप भी दीपू बनेंगे।

एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा, "बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या हो रही है। यह (भारत) राम और कृष्ण की भूमि है। हम किसी को नहीं मारते, लेकिन वहां हमारी बहन-बेटियों के साथ बलात्कार किया जा रहा है।"

कई प्रदर्शनकारियों को बैनर और तख्तियां पकड़े हुए देखा गया, जिन पर दीपू दास के लिए न्याय की मांग लिखी थी। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख मोहम्मद यूनुस के पुतले भी जलाए।

पुलिस हालात को संभालने और इलाके को खाली कराने के लिए प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रही है। पुलिस ने दोबारा बैरिकेडिंग भी स्थापित कर दी है।

प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही सतर्क थीं और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इमारत के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पूरे इलाके में तीन स्तर की बैरिकेडिंग की गई थी और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया था।

ज्ञातव्य है कि पच्चीस वर्षीय गारमेंट फैक्ट्री कर्मचारी दीपू चंद्र दास को 18 दिसंबर को मेमनसिंह के बालुका इलाके में कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और उसके शव को आग के हवाले कर दिया। इस घटना के बाद व्यापक आक्रोश और निंदा देखने को मिली।

हत्या में कथित भूमिका के लिए अब तक कम से कम 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दिन में पहले बांग्लादेश ने भारत में अपने राजनयिक मिशनों पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई और नई दिल्ली व सिलीगुड़ी की घटनाओं के विरोध में भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीनी वीज़ा घोटाले में कार्ति चिदंबरम के खिलाफ आरोप तय

नयी दिल्ली, 23 दिसंबर। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम और उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट एस. भास्कररामन के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच किए जा रहे

- **सी बी आई की जांच के बाद राउज़ कोर्ट ने यह कार्यवाही की।**

कथित चीनी वीज़ा रैकेट मामले में आरोप तय किए। अदालत ने भास्कररामन पर मामले से संबंधित महत्वपूर्ण सबूतों को नष्ट करने का भी आरोप लगाया। दोनों आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया, जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई 16 जनवरी को तय की। सीबीआई ने विकास मखारिया को सरकारी गवाह का दर्जा दे दिया है, जिनसे अभियोजन पक्ष के मामले में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है।

प्रियंका के लिए राहुल से बड़ा ना सही, पर समकक्ष दर्जा चाहता है कांग्रेस का एक बड़ा धड़ा

इस वर्ग ने कई मायनों में राहुल और प्रियंका के व्यक्तित्व की तुलना की और प्रियंका को "नैचुरल लीडर" बताया

- **इस धड़े का मत है कि प्रियंका न केवल सहज सुलभ हैं बल्कि अच्छी श्रोता हैं और उनसे डील करना आसान है, इसके विपरीत राहुल आसानी से मिलते नहीं हैं और सिर्फ अपने करीबी गुट के साथ ही सहज रहते हैं, यही नहीं, राहुल बात पूरी सुने बिना ही निर्णय सुना देते हैं और उठकर चले जाते हैं।**
- **संसद में भी पक्ष- विपक्ष के सभी नेताओं ने राहुल और प्रियंका के फर्क को देखा। राहुल जहां भाषण देते समय बेहद उग्र हो जाते हैं अक्सर विवादित बातें बोल जाते हैं, इसके विपरीत प्रियंका जोशीला भाषण देती हैं, मजबूती से अपनी बात रखती हैं, किन्तु सौम्यता के साथ।**
- **यही नहीं, विपक्ष, खासकर भाजपा नेताओं के साथ बातचीत में भी उनका व्यक्तित्व निखरकर सामने आया, जिसकी मीडिया में भी भारी चर्चा हुई।**

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। प्रियंका गांधी के सक्रिय राजनीति में कदम रखने से पहले, कांग्रेस के लोग उन्हें पार्टी का "ब्रह्मास्त्र" कहते थे, यानी अंतिम हथियार। हालांकि बहुत से लोग कह सकते हैं कि वह 'अंतिम हथियार' अपेक्षाकृत विफल साबित हुआ। फिर भी, कांग्रेस पार्टी मानती है कि राजनीति प्रियंका का "निर्धारित भाग्य" है।

उनके भाई राहुल गांधी, जो लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, सामान्य रूप से सहजता से उपलब्ध नहीं होते हैं, और इस वजह से कांग्रेस के नेताओं ने प्रियंका पर दांव लगाया।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान, प्रियंका ने पार्टी के समर्थकों को निराश नहीं किया, जब उन्होंने वन्दे मातरम विवाद पर अपना जोशीला भाषण दिया। राहुल गांधी जो अक्सर सदन में अपनी उग्र टिप्पणियों के कारण विवादों में फंस जाते हैं, के विपरीत प्रियंका ने मुस्कुराते हुए सौम्यता के साथ, लेकिन दृढ़ता के साथ भाषण दिया और मोदी सरकार पर बढ़त प्राप्त की। यह सौम्यता यहीं नहीं थमी। प्रियंका ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ चाय पर बातचीत की और मित्रता का दायरा और प्रभाव बढ़ाया। रिपोर्टों के अनुसार, वार्ता में केरल की छह परियोजनाओं पर चर्चा हुई। प्रियंका स्पीकर की चाय पार्टी में भी शामिल हुईं। और वर्ष 2024 चुनाव परिणामों के बाद गांधी परिवार से वे पहली थीं जिन्होंने ऐसा किया। उन्होंने संसद के बाहर इस बारे में विवरण साझा करने में भी संकोच नहीं किया। सूत्रों का कहना है कि यहां तक कि सरकार के वरिष्ठ मंत्री भी उनकी वन्दे मातरम टिप्पणी से प्रभावित थे। विडंबना यह रही कि राहुल शीतकालीन सत्र के अंतिम दिनों में अनुपस्थित रहे क्योंकि वे भारतीय प्रवासियों से मिलने के लिए जर्मनी गए थे।

कई लोग प्रियंका गांधी को श्रेय देते हैं कि उन्होंने शशि थरूर और मनीष तिवारी, जैसे कांग्रेस नेताओं, जिन्हें राहुल की योजना के तहत लंबे समय से हाशिए पर रखा गया था, को सदन में बोलने का अवसर दिया। प्रियंका के करीबी एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सही रूप से कहा: "जब बिल्ली चली जाती है, तो चूहों को खेलने का मौका मिलता है। प्रियंका की बढ़ती सार्वजनिक छवि ने कांग्रेस पार्टी में उग्र बहस को जन्म दिया है, जिसमें लंबे समय से सकारात्मक रूप से कोई बात नहीं हुई है और कांग्रेस महाराष्ट्र, हरियाणा से दिल्ली और बिहार तक चुनावी हारों के बाद निराश हो चुकी है। यहां इस मसले पर एकमत है कि कांग्रेस को प्रियंका एक बड़ा सार्वजनिक रोल देना चाहिए, शायद राहुल गांधी के बराबर। कांग्रेस नेता कहते हैं कि वह अपने भाई से कहीं अधिक सुलभ हैं और उनसे डील बहुत अधिक सुखद होता है, साथ ही वह ना कहने की कला में भी माहिर है और बड़ी शालीनता से इनकार करती है। दूसरी ओर, वरिष्ठ नेता कहते हैं, राहुल गांधी ना तो सुलभ और ना ही सहज हैं, वह केवल अपने करीबी नेताओं के समूह के साथ सहज होते हैं, जो उन्हें "बेकार सलाह" देते हैं; एक नेता ने कहा, "बिना आपकी बात सुने," राहुल अपना निर्णय दे देते हैं, वो आपको बीच में ही काट देंगे और कमरे से बाहर चले जाएंगे। प्रियंका, इसके विपरीत, एक "अच्छी श्रोता" है इसके लिए उनका सम्मान भी किया जाता है।

घाटे में चल रही पाकिस्तान एयरलाइन नीलाम हुई

इस्लामाबाद, 23 दिसंबर। पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइन (पीआईए) लंबे समय से घाटे में चलने की वजह से बिक गई। आरिफ हबीब ग्रुप ने सबसे ऊंची, 135 अरब पाकिस्तानी रुपये की बोली लगाकर पीआईए को खरीद लिया है। लकी सीमेंट ने 101.5 अरब रुपये और एयरब्लू ने 26.5 अरब रुपये की बोली लगाई। पीआईए ने 75 फीसदी शेयरों की नीलामी शुरू की थी।

पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइन की निलामी से मिलने वाले कुल पैसे का 92.5 फीसदी एयरलाइन के सुधार पर खर्च होगा। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट्स की कमी, खराब मैनेजमेंट और भारी कर्ज जैसे कारणों की वजह से पीआईए की हालत खराब हुई।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने प्रधानमंत्री के सहायक और उनकी टीम को नीलामी प्रक्रिया के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा, आज हम जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने में बहुत समय और मेहनत लगती है।